Series OSS

Code No. कोड नं. **2/1**

Roll No. रोल नं. | | | | | | | |

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **8** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जायेगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (केन्द्रिक)

HINDI (Core)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours *Maximum Marks : 100*

खण्ड क

1. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए *1×5=5*

किस भाँति जीना चाहिए, किस भाँति मरना चाहिए,
सो सब हमें निज पूर्वजों से ज्ञात करना चाहिए ।
पद-चिह्न उनके यत्नपूर्वक खोज लेना चाहिए
निज पूर्व गौरव-दीप को बुझने न देना चाहिए ॥
आओ मिलें सब देश-बांधव हार बनकर देश के
साधक बनें सब प्रेम से सुख-शांतिमय उद्देश्य के ।
क्या सांप्रदायिक भेद से है ऐक्य मिट सकता, अहो,
बनती नहीं क्या एक माला विविध सुमनों की, कहो ॥

प्राचीन हों कि नवीन, छोड़ो रूढ़ियाँ जो हों बुरी,
बनकर विवेकी तुम दिखाओ हंस की-सी चातुरी ।
प्राचीन बातें ही भली हैं — यह विचार अलीक है,
जैसी अवस्था हो जहाँ, वैसी व्यवस्था ठीक है ॥

मुख से न होकर चित्त से देशानुरागी हो सदा,
हैं सब स्वदेशी बंधु, उनके दुःख-भागी हो सदा ।
देकर उन्हें साहाय्य भरसक सब विपत्ति व्यथा हरो,
निज दुःख से ही दूसरों के दुःख का अनुभव करो ॥

(क) अतीत का गौरव बनाए रखने के लिए कवि हमें क्या परामर्श देता है ?

(ख) 'विविध सुमनों की एक माला' का उदाहरण कवि ने क्यों दिया है ?

(ग) उन पंक्तियों को उद्धृत कीजिए जिनमें कहा गया है कि पुराना होने से कोई बात अच्छी नहीं हो जाती, हमें विवेकपूर्वक उनकी परख करनी चाहिए ।

(घ) अपने देशवासियों के साथ हमारा व्यवहार कैसा होना चाहिए ?

(ङ) आशय स्पष्ट कीजिए — 'मुख से न होकर चित्त से देशानुरागी हो सदा' ।

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

उन्नीसवीं शताब्दी में यह राष्ट्रीय जागरण संपूर्ण भारत में किसी-न-किसी रूप में अभिव्यक्त हो रहा था, जिसमें भारतीयता के साथ आधुनिकता का संगम था । स्वामी विवेकानंद ने तो अमेरिका, इंग्लैंड आदि देशों से भारत लौटकर पूर्व और पश्चिम के श्रेष्ठ तत्त्वों के सम्मिलन से भारत को आधुनिक बनाने का स्वप्न देखा था । उन्होंने माना कि भारत और पश्चिम की मूल गति एवं उद्देश्य भिन्न हैं, परंतु भारत को जागना होगा, कुसंस्कारों एवं जाति-विद्वेष को त्यागना होगा, शिक्षित होकर देश की अशिक्षित, ग़रीब जनता को ही 'दरिद्रनारायण' मानकर उनकी सेवा करनी होगी, उनका उत्थान करना होगा । विवेकानंद का मत था कि भारत में जो जितना दरिद्र है, वह उतना ही साधु है । यहाँ ग़रीबी अपराध एवं पाप नहीं है तथा दरिद्रों की अपेक्षा धनियों को अधिक प्रकाश की ज़रूरत है । वे चाहते थे कि हम नीच, अज्ञानी, दरिद्र — सभी को भाई मानें और गर्व से कहें — हम सब भाई भारतवासी हैं । मनुष्य को मानव बनाना, आदमी को इंसान बनाना आवश्यक है । हमें ऐसी शिक्षा चाहिए जो हमें संस्कारी मानव, हमदर्द इंसान बना सके । विचारों में विवेकानन्द गांधी से अधिक दूर नहीं थे और ऐसे ही विचारकों का चिंतन उन्नीसवीं सदी में भारत को उद्वेलित कर रहा था ।

(क) विवेकानंद कौन थे ? उन्होंने क्या स्वप्न देखा था ? *2*

(ख) पश्चिम के उद्देश्यों से भिन्न भारत के बारे में उनका क्या मानना था ? *2*

(ग) आशय स्पष्ट कीजिए — 'दरिद्रनारायण' मानकर उनकी सेवा करनी होगी । *2*

(घ) विवेकानंद दरिद्रों की अपेक्षा धनियों को अधिक प्रकाश की ज़रूरत क्यों मानते थे ? 2

(ङ) 'मनुष्य को मानव', 'आदमी को इन्सान' बनाने से क्या तात्पर्य है ? 2

(च) विवेकानंद के मत में भारतीयों को कैसी शिक्षा की ज़रूरत है ? 1

(छ) गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए । 1

(ज) उपसर्ग और प्रत्यय अलग कीजिए : 1

अभिव्यक्त, भारतीयता ।

(झ) रचना के अनुसार वाक्य-भेद बताइए : 1

भारत में जो जितना दरिद्र है, वह उतना ही साधु है ।

(ञ) विशेषण बनाइए : 1

पश्चिम, चिंतन ।

खण्ड ख

3. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर निबन्ध लिखिए : 5

(क) खेलकूद में उभरता भारत

(ख) क्या नहीं कर सकती नारी

(ग) बढ़ती जनसंख्या : अभिशाप या वरदान

(घ) काल्पनिक या वास्तविक हवाई यात्रा का वर्णन

4. दो दिन की वर्षा के बाद सड़कों और नालों की दुर्दशा और जनता की परेशानियों की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए, ज़िला अधिकारी को पत्र लिखिए । 5

अथवा

बस में गुंडों के द्वारा घेर लिए जाने पर एक महिला यात्री की सहायता करने वाले बस-संवाहक के साहस और कर्तव्य-भावना की प्रशंसा करते हुए परिवहन-निगम के मुख्य प्रबंधक को पत्र लिखिए ।

5. (क) संक्षेप में उत्तर दीजिए : 1×5=5

(i) संपादकीय किसे कहते हैं ?

(ii) समाचार और फ़ीचर में क्या अंतर होता है ?

(iii) विशेष लेखन के किन्हीं दो प्रकारों का नामोल्लेख कीजिए ।

(iv) पत्रकारिता की भाषा में 'बीट' का क्या आशय है ?

(v) किन्हीं दो हिन्दी समाचार चैनलों के नाम लिखिए ।

(ख) 'महिलाओं के विरुद्ध बढ़ते अपराध' **अथवा** 'वरिष्ठ नागरिकों की समस्याएँ' विषय पर एक फ़ीचर का आलेख लिखिए । 5

6. 'मोबाइल बिना लगे सब सूना' **अथवा** 'नई फ़िल्म के दर्शक नदारद' विषय पर एक रिपोर्ट का आलेख लिखिए । 5

खण्ड ग

7. निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2×4=8

सचमुच मुझे दंड दो कि भूलूँ मैं भूलूँ मैं
तुम्हें भूल जाने की
दक्षिण ध्रुवी अंधकार – अमावस्या
शरीर पर, चेहरे पर, अंतर में पा लूँ मैं
झेलूँ मैं, उसी में नहा लूँ मैं
इसलिए कि तुमसे ही परिवेष्टित आच्छादित
रहने का रमणीय यह उजेला अब
सहा नहीं जाता है ।
नहीं सहा जाता है ।

(क) काव्यांश में प्रयुक्त 'तुम्हें' पद आपके विचार से किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ? आप ऐसा क्यों मानते हैं ?

(ख) कवि के व्यक्तिगत संदर्भ में 'अमावस्या' की स्थिति को स्पष्ट कीजिए ।

(ग) कवि अपने संबोध्य प्रिय पात्र को क्यों भूल जाना चाहता है ?

(घ) काव्यांश में दो स्थानों पर दो वाक्यांशों की आवृत्ति से अर्थ में क्या विशेष प्रभाव पड़ा है ? स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

ज़ोर ज़बर्दस्ती से
बात की चूड़ी मर गई
और वह भाषा में बेकार घूमने लगी !
हारकर मैंने उसे कील की तरह
उसी जगह ठोंक दिया ।
ऊपर से ठीकठाक
पर अंदर से

न तो उसमें कसाव था
न ताक़त !
बात ने, जो एक शरारती बच्चे की तरह
मुझसे खेल रही थी,
मुझे पसीना पोंछते देख कर पूछा —
"क्या तुमने भाषा को
सहूलियत से बरतना कभी नहीं सीखा ?"

(क) बात की चूड़ी कब मरती है ? उसका क्या परिणाम होता है ?

(ख) भाषा-प्रयोग के संदर्भ में 'कील की तरह ठोंक देने' का क्या भाव है ?

(ग) आशय स्पष्ट कीजिए — "क्या तुमने भाषा को
सहूलियत से बरतना कभी नहीं सीखा ?"

(घ) बात की तुलना शरारती बच्चे से क्यों की गई है ?

8. निम्नलिखित काव्यांश पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2×3=6*

प्रभु प्रलाप सुनि कान, बिकल भए बानर निकर
आइ गयउ हनुमान, जिमि करुना मँह बीर रस ॥

(क) काव्यांश के छंद और उसकी भाषा पर टिप्पणी कीजिए ।

(ख) अनुप्रास अलंकार के दो उदाहरण छाँटकर लिखिए ।

(ग) हनुमान् के आगमन को 'करुण रस में वीर रस का आगमन' क्यों कहा गया है ? इसका सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

आँगन में ठुनक रहा है ज़िदयाया है
बालक तो हई चाँद पै ललचाया है
दर्पण उसे दे के कह रही है माँ
देख आईने में चाँद उतर आया है ।

(क) ये पंक्तियाँ किस छंद में लिखी गई हैं ? छंद की विशेषता बताइए ।

(ख) पंक्तियों की भाषा की दो विशेषताएँ बताइए ।

(ग) भाव-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए — 'देख आईने में चाँद उतर आया है' ।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *3+3=6*

(क) 'उषा' कविता के उस जादू को स्पष्ट कीजिए जो सूर्योदय के साथ टूटता है ।

(ख) 'बच्चन' के गीत के आधार पर उन स्थितियों को स्पष्ट कीजिए जिनके कारण पथिक जल्दी चलता है ।

(ग) चौकोने छोटे खेत को कवि ने काग़ज़ का पन्ना क्यों कहा है ? उस खेत में 'रोपाई क्षण की कटाई अनंतता की' कैसे है ?

10. नीचे दिए हुए गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2×4=8*

फूलों की कोमलता देखकर परवर्ती कवियों ने समझा कि उसका सब-कुछ कोमल है ! यह भूल है । इसके फल इतने मज़बूत होते हैं कि नए फूलों के निकल आने पर भी स्थान नहीं छोड़ते । जब तक नए फल-पत्ते मिलकर, धकियाकर उन्हें बाहर नहीं कर देते तब तक वे डटे रहते हैं । वसंत के आगमन के समय जब सारी वनस्थली पुष्प-पत्र से मर्मरित होती रहती है, शिरीष के पुराने फल बुरी तरह खड़खड़ाते रहते हैं । मुझे इनको देखकर उन नेताओं की बात याद आती है, जो किसी प्रकार ज़माने का रुख नहीं पहचानते और जब तक नई पौध के लोग उन्हें धक्का मारकर निकाल नहीं देते, तब तक जमे रहते हैं ।

(क) गद्यांश में किस वनस्पति की चर्चा हुई है ? उसके बारे में कवियों की किस धारणा को लेखक ग़लत ठहरा रहा है ?

(ख) शिरीष के फलों की क्या विशेषता है ?

(ग) लेखक को कुछ नेताओं की याद क्यों आ जाती है ?

(घ) वसंत ऋतु में वनस्थली के सौंदर्य और उस पर शिरीष के अटपटेपन पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

उन्होंने पुड़िया को धीरे से अपनी तरफ़ सरकाना शुरू किया । जब सफ़िया की बात ख़त्म हो गई तब उन्होंने पुड़िया को दोनों हाथों में उठाया, अच्छी तरह लपेटा और ख़ुद सफ़िया के बैग में रख दिया । बैग सफ़िया को देते हुए बोले, "मुहब्बत तो कस्टम से इस तरह गुज़र जाती है कि कानून हैरान रह जाता है ।" वह चलने लगी तो वे भी खड़े हो गए और कहने लगे, "जामा मस्जिद की सीढ़ियों को मेरा सलाम कहिएगा और उन ख़ातून को यह नमक देते वक्त मेरी तरफ़ से कहिएगा कि लाहौर अभी तक उनका वतन है और देहली मेरा, तो बाकी सब रफ़्ता-रफ़्ता ठीक हो जाएगा ।"

(क) कहानी में नमक की पुड़िया इतनी महत्त्वपूर्ण क्यों हो गई है ?

(ख) सफ़िया ने कस्टम अफ़सर को इस पुड़िया के बारे में क्या बताया होगा ?

(ग) आशय स्पष्ट कीजिए — "मुहब्बत तो कस्टम से इस तरह गुज़र जाती है कि कानून हैरान रह जाता है ।"

(घ) कस्टम-अधिकारी के कथन — 'सब रफ़्ता-रफ़्ता ठीक हो जाएगा' से आप कहाँ तक सहमत हैं ? क्यों ?

11. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *3×4=12*

(क) 'काले मेघा पानी दे' के आधार पर लिखिए कि जीजी ने इंदर सेना पर पानी फेंके जाने को कैसे सही ठहराया ।

(ख) बाज़ार का ज़ादू क्या है ? उसके चढ़ने और उतरने पर मनुष्य पर क्या-क्या असर पड़ता है ?

(ग) पहलवान लुट्टन सिंह को राजा साहब की कृपा-दृष्टि कब प्राप्त हुई ? उससे पहलवान की दिनचर्या में क्या अंतर आया ?

(घ) जीवन की जद्दोजहद ने चार्ली चैप्लिन के व्यक्तित्व को कैसे संपन्न बनाया ? पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए ।

(ङ) जाति-प्रथा को श्रम-विभाजन का ही एक रूप न मानने के पीछे भीमराव आंबेडकर के क्या तर्क थे ?

12. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *3+3=6*

(क) 'जूझ' कहानी के आधार पर ग्रामीण जीवन की तीन विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

(ख) 'सिल्वर वैडिंग' के आधार पर बताइए कि अपने निवास के निकट पहुँचकर वाई. डी. पंत को क्यों लगा कि वे किसी ग़लत जगह पर आ गए हैं ।

(ग) ऐन फ्रैंक की डायरी को एक महत्त्वपूर्ण दस्तावेज़ क्यों माना जाता है ?

13. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए : *2+2=4*

(क) ऐन फ्रैंक की डायरी किट्टी को संबोधित कर क्यों लिखी गई होगी ?

(ख) यशोधर बाबू को बच्चों की तरक़्क़ी अच्छी भी लगती है और 'समहाउ इंप्रॉपर' भी । ऐसा क्यों ?

(ग) मुअन-जो-दड़ो की सभ्यता को 'लो प्रोफ़ाइल' सभ्यता क्यों कहा गया है ? 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए ।

14. "टूटे-फूटे खंडहर, सभ्यता और संस्कृति के इतिहास के साथ-साथ धड़कती ज़िंदगी के अनछुए समयों का भी दस्तावेज़ होते हैं ।" इस कथन की समीक्षा 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर कीजिए । 5

अथवा

'सिल्वर वैडिंग' कहानी के आधार पर यशोधर बाबू के व्यक्तित्व की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।